गन्ना कृषक माह नवम्बर में क्या करें!

1– तापक्रम कम होने के कारण गन्ने के जमाव पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अतः तापक्रम $16–30^0$ डिग्री से0ग्रे0 होने की दशा में शरद्कालीन गन्ने की बुवाई अक्टूबर माह तक सम्पन्न करें।

2– नवम्बर के अन्त में गन्ना बुवाई करने हेतु पॉलीबैग तकनीक से एक ऑख के टुकड़े की नर्सरी डालें। देर से काटे थान की फसल के उपरान्त खाली खेत में भी पॉलीबैग से तैयार किये गये पौधों की रोपाई कर अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।

3– सितम्बर–अक्टूबर में बोये गये गन्ने की फसल में जमाव उपरान्त एक हल्की सिंचाई करें तथा ओट आने पर 5 कि0ग्रा0/हे0 एजोटोबैक्टर व 10 कि0ग्रा0/हे0 पी0एस0बी0 कल्चर का लाइनों में प्रयोग कर गुड़ाई करें। इससे वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण होता है तथा फास्फोरस की उपलब्धता बढ़ती है।

4– यदि शरदकालीन गन्ने के साथ गेहूॅ की अन्तः खेती करना हो तो दो पंक्तियों के मध्य तीन पंक्तियॉ हल से बोयें।

5– चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति करते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि गन्ना साफ सुथरा हो तथा कटाई के उपरान्त शीघ्र चीनी मिल पहुॅच जाये।

6– चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति करते समय सर्वप्रथम शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की पेड़ी की आपूर्ति करें तत्पश्चात् शरद्कालीन शीघ्र पकने वाली प्रजातियों का बावक, सामान्य प्रजातियों की पेड़ी की आपूर्ति करें।

7– शरद्कालीन गन्ने के साथ अन्तः फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई कर उर्वरकों का प्रयोग करें तथा निराई–गुड़ाई भी करें।

सही समय पर करो कटाई। फिर देखो पेड़ी हरियाई।।